जो शरण गुरु की आया

सुख का साथी जगत सब,
दु:ख का साथी न कोए ।
दु:ख का साथी साँईयाँ,
दादू सद्गुरु होए ॥

जो शरण, गुरु की आया,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी ॥
जिसने, गुरु ज्ञान पचाया,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी ॥
ह्री ॐ ह्री ॐ, ह्री ॐ ह्री ॐ ॥

रामायण में, शिव जी कहते ।
भागवत में, सुकदेव जी कहते ।
गुरबाणी में, नानक कहते ।
जपो, संत संग राम,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी ।
ह्री ॐ ह्री ॐ, ह्री ॐ ह्री ॐ ॥

चिन्ता और भय, सब मिट जाए ।
दुर-गुण दोष, सभी छूट जाए ।
चमके, भाग्य सितारा,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी ।
ह्री ॐ ह्री ॐ, ह्री ॐ ह्री ॐ ॥

साँसो में हो, नाम का सिमरण l
मन में हो, गुरुदेव का चिन्तन l
जिसने, यह अपनाया,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी l
ह्री ॐ ह्री ॐ, ह्री ॐ ह्री ॐ ll

ब्रह्म ज्ञानी, साकार ब्रह्म है l
इन का ना, कोई बंधन है l
सब को, करे महान,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी l
ह्री ॐ ह्री ॐ, ह्री ॐ ह्री ॐ ll

कृपा तुम्हरी, पा जाएंगे l
जो सतसंग में, आ जाएंगे l
हो जाएं, भवजल पार,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी l
ह्री ॐ ह्री ॐ, ह्री ॐ ह्री ॐ ll

जो संतों की, निंदा करते
अपना ही वह, वँश मिटाते
जो संत, शरण में आते,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी l
ह्री ॐ ह्री ॐ, ह्री ॐ ह्री ॐ ll
मेरे राम मेरे राम xll -ll
अपलोडर- अनिल रामूर्ति भोपाल

Source:
https://www.bharattemples.com/jo-sharn-guru-ji-aaya-iha-lok-sukhi-parlok-sukhi/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw